अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा

अयोध्या। कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दी जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। यह बातें मंगलवार को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषयक व्याख्यान में केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के भाषा संपादक व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राम बहादुर मिश्रा ने कही।

विवि के क्षेत्रीय भाषा केंद्र व हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बनें। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर हैं। इस मौके पर डॉ. प्रत्याशा मिश्रा, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, डॉ. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. डीएन वर्मा, डॉ. शेखर सिंह मौजूद रहे। संवाद

विवि के 130 संविदा शिक्षकों को मिला सेवा विस्तार

विभिन्न स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक गुणवत्ता में आएगी मजबूती

दो वर्षों से लंबित थी मांग, कुलपति ने दी शिक्षकों को सौगात

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में चयन समिति द्वारा नियुक्त करीब 130 स्ववित्तपोषित संविदा शिक्षकों को सेवा विस्तार मिला है। दो वर्ष से शिक्षकों की यह मांगें लंबित थीं, जिन पर बीते दिनों अंतिम मुहर लगने से शिक्षकों में खुशी की लहर है।

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्य के लिए करीब 130 शिक्षक नियुक्त हैं।

इनका सेवा विस्तार पूर्व में पांच-पांच वर्ष के लिए किया जाता था। 13 मार्च, 2020 को शासनादेश जारी हुआ कि इन शिक्षकों का सेवा विस्तार अब पांच-पांच वर्ष न करके पाठ्यक्रम संचालित होने तक या सेवा संतोषजनक होने तक किया जाए।

तत्कालीन कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित के अंतिम दिनों के कार्यकाल में उक्त शासनादेश का अनुपालन कराने के लिए कार्यपरिषद से इसे पास कराया गया था। उसके उपरांत दो वर्षों में शिक्षकों के सेवा विस्तार का पत्र निर्गत नहीं हो पाया था। इसे लेकर शिक्षकों द्वारा निरंतर मांग की जाती थी।

मामला मौजूदा कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के सामने उठा तो उन्होंने परिसर की शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षकों की सेवा शर्तों को शासनादेश के अनुरूप प्रदान करने के लिए 30 जनवरी को कार्यपरिषद से पारित कराया है। मीडिया प्रभारी विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि स्ववित्त पोषित शिक्षकों का सेवा विस्तार शासनादेश के अनुरूप कर दिया गया है। इससे करीब 130 शिक्षकों को लाभ मिलेगा।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

कल से परीक्षा बहिष्कार करेंगे साकेत के शिक्षक

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। साकेत महाविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी जनवरी माह का वेतन न पास होने से नाराज हैं। शिक्षकों ने मंगलवार को बैठक कर विश्वविद्यालय की चल रही सेमेस्टर परीक्षा के बहिष्कार का निर्णय लिया है।

डॉ. जन्मेजय तिवारी ने कहा कि शिक्षक 22 फरवरी को सांकेतिक धरना देंगे और काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। अगले दिन से ताला बंद धरना प्रारंभ होगा। डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि बहिष्कार तब तक जारी रहेगा जब तक वेतन जारी नहीं कर दिया जाता।

मनोविज्ञान विभाग के डॉ. सुधीर राय ने कहा कि प्रबंधक और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी के बीच का मामला है। इससे शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन क्यों रोका जा रहा है। बैठक में प्रो. अनुराग मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिंह, प्रो. भगवती धर द्विवेदी, प्रो. परेश पांडेय, डॉ. संतलाल मौजूद रहे। संवाद

समय पर स्कूल न पहुंचने पर तीन से जवाब तलब

खजुरहट। शासन की सख्ती के बाद भी शिक्षक समय से स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुरोध पर मंगलवार को बीकापुर शिक्षा क्षेत्र के विसुही कछार स्थित बरहूपुर प्रतापपुर स्कूल को देखा तो वहां प्रधानाध्यापिका के अलावा तीन शिक्षक सुबह 10 बजे तक नहीं आए थे।

ग्रामीणों ने बताया कि यह नियमित प्रक्रिया है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मौके पर मिलीं प्रधानाध्यापिका प्रीति सिंह ने बताया कि शिक्षक शहर से आते हैं, इसलिए उन्हें आने में देरी होती है। खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। उन्होंने इस विद्यालय की दो शिक्षिकाओं शालिनी गुप्ता, सैयदा खातून और शिक्षामित्र माधुरी सिंह को चेतावनी देते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। संवाद

दैनिक जागरण

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 05

प्रो. एसएन शुक्ल बने पं. रविशंकर शुक्ला विवि के वीसी

संसू, अयोध्या: रामनगरी में पले-बढ़े और यहां के निवासी डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रो. एसएन शुक्ल को भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है। उन्हें कुलाधिपति अनुसुईया उइके ने चार वर्ष के लिए कुलपति बनाया हैं। प्रो. शुक्ल वहां के वर्तमान कुलपति डा.केसरीलाल शर्मा के एक अप्रैल 2023 को कार्यकाल समाप्त होने के बाद कार्यभार ग्रहण करेंगे।

चमकदार है शैक्षणिक करियर

प्रो. एसएन शुक्ल • जागरण

अयोध्या : प्रो. एसएन शुक्ल अपने मिलनसार स्वभाव व सूझबूझ भरी कार्यशैली से लोकप्रिय हैं। उन्होंने अवध विवि के भौतिकी एवं इलेट्रानिक्स विभाग में अपनी पारी 1991 से आरंभ की। जल्द ही अपने कार्य व्यवहार से शिक्षकों और छात्रों के बीच विशेष स्थान पा लिया। अयोध्या के बेनीगंज स्थित आवास विकास कालोनी के निवासी प्रो. शुक्ल ने 102 शोधपत्र, आठ पुस्तकें व अनेकों सेमिनार्स के अलावा अनेक प्रशिक्षणों में प्रतिभाग कर चुके हैं।

प्रो. शुक्ल की पहचान नामचीन भौतिकी विज्ञानी के साथ कुशल प्रशासक के रूप में है। वह कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सेमिनार्स व प्रशिक्षण में अपनी मेधा का डंका बजा चुके हैं। अविवि में वह प्रति कुलपति, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। लंबे प्रशासनिक अनुभव के साथ उनकी गिनती ख्यातिप्राप्त भौतिकविदों में होती है।

प्रो. शुक्ल करीब डेढ़ दशक तक अविवि के मीडिया प्रभारी रह चुके हैं। उनके रायपुर विवि का कुलपति बनने पर विवि के शिक्षक व कर्मचारी झूम उठे। वह अवध विवि के तीसरे प्रोफेसर है, जिन्हें कुलपति बनने का अवसर मिला है।

उनसे पहले प्रबंधन विभाग के प्रो. हनुमान प्रसाद पांडेय व प्रो. आरएल सिंह अलग-अलग विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए जा चुके हैं। वह खेल प्रेमी के साथ ही बैडमिंटन के कुशल खिलाड़ी भी हैं।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अब पाठ्यक्रम संचालन तक संविदा की सेवा रहेगी

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के संविदा शिक्षकों का अब प्रत्येक पांच वर्ष पर सेवा विस्तार रिनियूल नहीं होगा, बल्कि पाठ्यक्रम संचालन या कार्य संतुष्टि तक सेवा जारी रहेगी। विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अनुमोदन का लंबे समय से अटका आदेश कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देश पर जारी हो गया है।

अवध विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में चयन समिति की ओर से नियुक्त स्व-वित्तपोषित संविदा शिक्षकों का पाठ्यक्रम संचालित होने तक या सेवा संतोषजनक होने तक सेवा विस्तारण किया गया है। विश्वविद्यालय के इस फैसले से लगभग 125 शिक्षकों को लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि दो वर्षों से लम्बित शिक्षकों की मांगें शासनादेश के अनुरूप प्रो. गोयल ने पूरी कर दी है।

प्रदेश शासन के 13 मार्च 2020 के शासनादेश को कुलपति प्रो. गोयल ने कार्यपरिषद से पुनः पारित कराकर संविदा शिक्षकों की वर्षों से लम्बित मांग पूरी की है। इसके पूर्व शिक्षकों को पांच-पांच वर्षों का सेवा विस्तारण मिलता रहा, लेकिन अब अनवरत सेवा जारी रहेगी। पूर्व कुलपति कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित के अंतिम दिनों के कार्यकाल में शासनादेश को कार्यपरिषद से पास कराया गया था। उसके बाद दो वर्षों में शिक्षकों के सेवा विस्तार का पत्र निर्गत नहीं हो पाया था। जिसे अब 30 जनवरी 2023 को कार्यपरिषद से पारित कराकर संविदा शिक्षकों को सौगात दी गई है। कुलपति प्रो. गोयल के आदेश का शिक्षकों ने स्वागत करते हुए खुशी जताई है।

अब शिक्षक संघ अध्यक्ष लेंगे पद की शपथ : अयोध्या। अवध विवि आवासीय परिसर शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा अब पद की शपथ लेंगे। संविदा शिक्षकों की माग को पूरा होने तक प्रो. वर्मा ने शपथ न लेने का संकल्प लिया था जो अब पूरा हो गया है। मालूम हो कि शिक्षक संघ चुनाव के दौरान प्रो. वर्मा के ऐजेंडे का पहला बिन्दु संविदा शिक्षकों की मांग को पूरा करना रहा। इसलिए चुनाव जीतने के तीन माह तक प्रो. वर्मा ने शपथ नहीं ली थी।

तृतीय व चतुर्थ कर्मचारियों में जगी आस

अवध विश्वविद्यालय के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी संविदा कर्मचारियों में अब संविदा शिक्षकों की तरह अनवरत सेवा जारी रहने के आदेश होने की आस जग गई है। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि जिस तरह संविदा शिक्षकों का रिनीवल पांच वर्ष पर होता था और अब पाठ्यक्रम संचालित होने तक सेवा विस्तार कर दिया गया है। उसी तरह तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का भी होना चाहिए। बताया जा रहा है कि शासनादेश जब संविदा शिक्षकों के लिए जारी हुआ था उसी तरह कर्मचारी का सेवा विस्तार करने का आदेश में जिक्र किया गया था।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 05

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा

मातृभाषा दिवस

मातृभाषा दिवस पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि का स्वागत करते शिक्षणगण।

अयोध्या, संवाददाता। केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के भाषा संपादक, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ. राम बहादुर मिश्र ने कहा कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं।

यह बातें डॉ. मिश्र ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने बताया कि ग्रामीण होना सिर्फ खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। संचालन अवधी भाषा की डॉ. प्रत्याशा मिश्रा ने किया और डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. डीएन वर्मा, डॉ. शेखर सिंह, डॉ. सुमन लाल, डॉ. स्वाति सिंह, डॉ. प्रतिभा देवी व अन्य मौजूद रही।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा: डा0 राम बहादुर

व्याख्यान विवि में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान संपन्न

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विवि के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डा0 राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डा0 राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डा0 प्रत्याशा मिश्रा व आभार ज्ञापन डा0 चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डा0 सुरेंद्र मिश्रा, डा0 डीएन वर्मा, डा0 शेखर सिंह, डॉ0 सुमन लाल, डॉ0 स्वाति सिंह, डा0 प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

स्वास्थ्य शिविर संपन्न

स्वतंत्र चेतना, बीकापुर। विकास खंड सभागार में मंगलवार को एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ब्लाक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा द्वारा स्वास्थ शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में स्वास्थ्य टीम द्वारा 111 गरीब मरीजों का रजिस्ट्रेशन कराकर शुगर, ब्लड प्रेशर, हिमोग्लोबिन, लंबाई, वजन और अन्य जांच कराई। तथा चिकित्सीय परामर्श देकर दवा लेने के लिए भी कहा गया। नेत्र रोग से पीड़ित तमाम मरीजों की भी जांच की गई। शिविर में मौजूद महिला चिकित्सक डा सौम्या ने बताया कि विभिन्न बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों को मुख्यमंत्री राहत कोष से उपचार के लिए राहत दिलाने हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सभी विकासखंड में कराया जा रहा है। गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों और अपरेशन के लिए हेल्थ चेकअप के बाद चिन्हित किए गए मरीजों का मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत अपोलो हस्पिटल लखनऊ में दवा उपचार किया जाएगा।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

मातृभाषा संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. रामबहादुर मिश्रा (भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा) रहे।

उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिंता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डॉ. रामबहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बनें। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डॉ. प्रत्याशा मिश्रा ने किया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. डीएन वर्मा, डॉ. शेखर सिंह, डॉ. सुमन लाल, डॉ. स्वाति सिंह, डॉ. प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

कुटुंब जागरण

दिनांकः 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृ भाषाः डा. राम बहादुर मिश्रा

अवध विवि में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

कुटुंब जागरण ब्यूरो,

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डश्व0 राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डश्व0 राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डा0 प्रत्याशा मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डा0 चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डा0 सुरेंद्र मिश्रा, डा0 डीएन वर्मा, डा0 शेखर सिंह, डॉ0 सुमन लाल, डॉ0 स्वाति सिंह, डा0 प्रतिभा देवी मौजूद रही।

राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा : डॉ. राम बहादुर मिश्रा

अवध विवि में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ0 राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डॉ0 राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डॉ0 प्रत्याशा मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ0 चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ0 सुरेंद्र मिश्रा, डॉ0 डीएन वर्मा, डॉ0 शेखर सिंह, डॉ0 सुमन लाल, डॉ0 स्वाति सिंह, डॉ0 प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

अमृत विचार

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

प्रो. एसएन शुक्ल बने अवध विश्वविद्यालय के कुलपति

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट आफ फिजिक्स इलेक्ट्रानिक्स विभाग के प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ल को छत्तीसगढ़ के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय रायपुर का कुलपति बनाया गया है।

शोध छात्र के रूप में अपना शैक्षणिक कैरियर शुरू करने वाले प्रोफेसर शुक्ल ने अपने परिश्रम और कर्मठता से यहां तक का सफर तय किया है। अपनी सौम्यता और सज्जनता के लिए जाने पहचाने जाने वाले प्रो. शुक्ल ने अवध विश्वविद्यालय में मीडिया प्रभारी का दायित्व निभाने के बाद प्रति कुलपति के रुप में अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। उनके कुलपति बनने की सूचना आते ही यहां शिक्षाविदों ने हर्ष जताया है। प्रो. शुक्ल ने मंगलवार को यहां अनौपचारिक बातचीत में कहा कि जो दायित्व उन्हें दिया गया है उसे निष्ठापूर्वक निभायेंगे। अवध विश्वविद्यालय के विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय, प्रो. अशोक शुक्ल व प्रो. एमपी सिंह समेत अन्य कई शिक्षाविदों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

तरुणमित्र

दिनांकः 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 06

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा : डॉ. राम बहादुर मिश्रा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ0 राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डॉ0 राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डॉ0 प्रत्याशा मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ0 चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ0 सुरेंद्र मिश्रा, डॉ0 डीएन वर्मा, डॉ0 शेखर सिंह, डॉ0 सुमन लाल, डॉ0 स्वाति सिंह, डॉ0 प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

अवध कमेंट वीक

दिनांकः 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृ भाषा : डॉ. राम बहादुर मिश्रा

अवध विवि में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. राम बहादुर मिश्रा

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्टीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्टपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ० राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डॉ० राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है।

आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डॉ० प्रत्याशा मिश्रा द्वारा किया गया।

अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ० चंद्रशेखर सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ० सुरेंद्र मिश्रा, डॉ० डीएन वर्मा, डॉ० शेखर सिंह, डॉ० सुमन लाल, डॉ० स्वाति सिंह, डॉ० प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

पायनियर

दिनांक: 22 फरवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 07

अवध विवि में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के संयुक्त संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर स्थानीय भाषाओं की वर्तमान चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राम बहादुर मिश्रा, भाषा संपादक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा रहे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही है। यदि मातृभाषा को स्थानीयता पर वरीयता दिया जाए तो अधिक सफलता मिलेगी। आज युवाओं में रोजगार की समस्या को लेकर चिन्ता है। स्थानीयता भाषा पर पकड़ व समझ के आधार पर एक अच्छे उद्यमी बन सकते हैं। डॉ. राम बहादुर ने छात्रों को बताया कि ग्रामीण होना केवल खेतिहर होने का प्रमाण नहीं है। आवश्यकता इस बात का है कि आप खेती के साथ मातृभाषा के अनुवादक बने। इसके साथ ही पत्रकार, वैद्य अन्य क्षेत्रों में अवसर है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के माध्यम से क्षेत्रीयता को नई पहचान दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अवधी भाषा की डॉ. प्रत्याशा मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. डीएन वर्माए डॉ. शेखर सिंह, डॉ. सुमन लाल, डॉ. स्वाति सिंह, डॉ. प्रतिभा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं मौजूद रही।